

2.6.4

①

2.6.5

विनियम

पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

Regulation

University of Patanjali, Haridwar



विनियम

परीक्षकों की नियुक्ति

(धारा-30 (च))

1. विभिन्न विषयों के पाठ्य परिषद परीक्षकों की नियुक्ति के लिये अर्हता रखने वाले विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों / संघटक संस्थानों अथवा संघटक महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों की एक सूची तैयार करेगी । अन्य विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थानों में कार्यरत परीक्षकों की नियुक्ति के लिए अर्हता रखने वाले शिक्षकों तथा वृत्तिकों की अन्य सूची तैयार करेगी ।
2. विभिन्न पाठ्यपरिषदों द्वारा दोनो सूचियाँ विश्वविद्यालय के कुलसचिव को प्रस्तुत की जायेगीं ।
3. सूची में यथा सम्भव व्यक्ति के सम्बन्ध में निम्न बिन्दुओं पर सूचना सम्मिलित होनी आवश्यक है अर्थात्
 - (क) शैक्षिक योग्यता तथा स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर अध्यापन अनुभव
 - (ख) विशिष्टता का क्षेत्र (Field of Specialization)
 - (ग) विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के नाम तथा वर्ष जिनमें पूर्व में परीक्षक के रूप में कार्य किया हो
4. कुलसचिव द्वारा ऐसी तैयार की गयी सूची परिनियमों के अन्दर गठित परीक्षा समिति को उपलब्ध करायी जायेगी । परीक्षा समिति ऐसे व्यक्तियों के नाम तथा अध्यापन अनुभव सूची में जोड सकती है जो परीक्षक के रूप में नियुक्ति के लिये अर्ह है परन्तु जिनके नाम सूची में सम्मिलित नहीं हैं ।
5. कुलसचिव कार्यालय, परीक्षा समिति को प्रत्येक परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों की संख्या प्रदान करेगी ।
6. परीक्षा समिति, प्रश्नपत्र बनाने वालों (Paper setters) सैधान्तिक प्रश्नपत्रों के परीक्षकों, प्रायोगिक /मौखिक परीक्षा के परीक्षकों के नामों की संस्तुति कुलपति को करेगी ।
7. परीक्षा समिति द्वारा प्रश्नपत्र बनाने वालों, परीक्षकों, प्रायोगिक / मौखिक परीक्षकों के नामों में से ही कुलपति परीक्षक आदि नियुक्त करेंगे, परन्तु वह ऐसे व्यक्तियों को नियुक्त कर सकेंगे जिनके नाम परीक्षा समिति द्वारा संस्तुत सूची में सम्मिलित नहीं है, यदि वह सन्तुष्ट है कि प्रश्नगत व्यक्ति न्यूनतम अर्हता रखता है तथा उसकी नियुक्ति यहाँ निर्धारित व्यवस्थाओं के विपरीत नहीं होगी।
8. प्रश्नपत्र बनाने वालों और परीक्षकों की अर्हता निम्न प्रकार की होगी अर्थात्,
 - (क) प्रश्नपत्र निर्माता

परीक्षा

अर्हता



- | | |
|---|--|
| (i) स्नातकोत्तर परीक्षा | विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर कम से कम पांच वर्ष पर तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव तथा स्नातक |
| (ii) स्नातक | और स्नातकोत्तर स्तर पर कुल सात वर्ष का अध्यापन अनुभव अथवा सात वर्ष का व्यवसायिक अनुभव |
| (iii) स्नातक परीक्षा | विषय में स्नातक तथा / अथवा स्नातकोत्तर स्तर पर कम से कम पांच वर्ष का अध्यापन अनुभव अथवा सात वर्ष का व्यवसायिक अनुभव |
| (iii) आयुर्वेद संकाय में स्नातक परीक्षा | स्नातक तथा / अथवा स्नातकोत्तर स्तर पर कम से कम पांच वर्ष का अध्यापन अनुभव |
| (vi) डिप्लोमा परीक्षा | स्नातक / स्नातकोत्तर स्तर पर कम से कम तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव अथवा डिप्लोमा में कम से कम पांच वर्ष का अध्यापन अनुभव अथवा सात वर्ष का व्यवसायिक अनुभव |
| (ख) परीक्षक | |
| (i) स्नातकोत्तर परीक्षा | विषय का स्नातकोत्तर स्तर पर कम से कम तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव अथवा पांच वर्ष का व्यवसायिक अनुभव |
| (ii) स्नातक परीक्षा | विषय का स्नातक स्तर अथवा / तथा स्नातकोत्तर स्तर तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव / पांच वर्ष का व्यवसायिक अनुभव |
| (iv) डिप्लोमा परीक्षा | उपर्युक्त(क)के (iv) के अनुसार |

स्नातकोत्तर स्तर की प्रायोगिक तथा मौखिक परीक्षा के सन्दर्भ में बाह्यपरीक्षक, सह प्राध्यापक (रीडर) अथवा समकक्ष पद से निम्न पद का व्यक्ति नहीं होना चाहिये। न्यूनतम 10 वर्ष का अध्यापन अनुभव, जिसमें सात वर्ष का अनुभव स्नातकोत्तर स्तर का सम्मिलित है, होना चाहिये अथवा दस वर्ष का व्यवसायिक अनुभव हो।

व्यवस्था यह है कि वृत्तिक के सन्दर्भ में मूल शैक्षिक अर्हता ऐसी होनी चाहिये जैसी एक प्रवक्ता की होती है।



Appointment of Examiners [Section-30(e)]

1. Board of Studies for various subjects will prepare a list of teachers qualified for appointment as examiners working in the University teaching departments, constituent colleges or constituent institutes. A separate list of teachers of other Universities, Colleges, Institutes and professionals qualified for appointment as examiners will also be prepared by the Board of Studies.
2. Both the lists will be submitted to the Registrar of the University by the various Boards.
3. The list shall contain, as far as possible, information relating to the persons included therein on the following points, namely:
 - (a) the academic qualifications and teaching experience at Graduate and Postgraduate levels;
 - (b) the field of specialization
 - (c) the examinations of the University and years in which they have acted as examiners in the past.
4. The list so prepared shall be made available to the Examination Committee, constituted under the Statutes. The Committee may add to the list, the names and experience of persons qualified for appointment as examiners but not included therein.
5. The Registrar's office shall also give the examination Committee the number of candidates expected to appear at each examination.
6. The examination Committee shall recommend the names of paper setters, examiners for theory papers and examiners for practical/viva-voce examinations to the Vice-Chancellor.
7. The Vice-chancellor shall appoint paper setters. Examiners for conducting practical/viva-voce examinations ordinarily from amongst persons recommended by the Examination Committee. He/She may however, appoint a person whose name is not included in the list of names recommended by the Examination Committee, if he/she is satisfied that the person in question possesses the minimum qualification and his/her appointment will not be contrary to the provisions prescribed herein.
8. The qualifications of the paper setters and examiners shall be as follows:

(A) Paper Setters

Examination:	Qualifications
(i) Post - graduate examination:	Experience of teaching the subject at the post-graduate level for at least five years or experience of teaching subject at post graduate level three years and total teaching experience of degree and P.G level of seven years or professional experience of seven year.
(ii) Degree examination:	Teaching experiences in the subject at degree and/or postgraduate level for at



least five years or professional
experience of seven years.

(iii) Degree examination: Teaching experience in the subject in faculty
of Ayurveda: at the degree and/or post-
graduate level for at least five years.

(iv) Diploma examination: Teaching experience of at least three
years of Degree or five years of
Diploma Classes or five years
professional experience.

(B) Examiners:

(i) Post-graduate examination: Teaching experience of three years at
Post-graduate level or Professional
experience of five years

(ii) Degree examination: Teaching experience of three years at
degree and / or post-graduate level or
Professional experience of five years

(iii) Diploma examination: Teaching experience of at least three
years of Degree or five years of
Diploma Classes or five years
professional experience.

In case of practical and Viva-Voce examinations at the post-graduate level, the
external examiner shall be a person not below the rank of Associate Professor /
having teaching experience of 10 Years including 7 year experience of post-
graduate classes or Professional experience of 10 years.



विनियम

परीक्षाओं का संचालन

धारा 30 (च)

1. विश्वविद्यालय में होने वाली परीक्षाओं के संचालन की सारी व्यवस्थायें, ऐसे निर्देशों के अनुरूप जैसे प्रबन्धमण्डल , विद्यापरिषद के परामर्श से निर्गत करे, कुलसचिव द्वारा सम्पादित की जायेगी
2. कुलसचिव अन्तिम तिथियों की घोषणा करेंगे जिन तक परीक्षा में सम्मिलित होने के इच्छुक परीक्षार्थियों को अपना परीक्षा प्रार्थना पत्र तथा अपना शुल्क जमा करना होगा ।
3. परीक्षा के प्रार्थना पत्रों की समीक्षा की जायेगी तथा प्रत्येक परीक्षार्थी को अनुक्रमांक आवंटित किया जायेगा ।
4. कुलसचिव परीक्षाओं के संचालन का एक कार्यक्रम तैयार करेगा तथा उसे विधिवत प्रकाशित करेगा जिसमें प्रत्येक परीक्षा की तिथि अंकित होगी ।
5. विश्वविद्यालय परिसर तथा संघटक महाविद्यालयों / संस्थानों के लिये अलग-अलग परीक्षा केन्द्र स्थापित किये जायेंगे ।
6. कुल सचिव वरिष्ठ शिक्षकों को प्रत्येक केन्द्र के लिये अधीक्षक और सहायक अधीक्षक नियुक्त करेंगे ।
7. कुलसचिव द्वारा उनको भेजे गये प्रश्नपत्रों तथा उत्तर पुस्तकों को सुरक्षित रखने के लिये परीक्षा अधीक्षक व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे / होगी तथा विश्वविद्यालय कार्यालय को प्रयुक्त तथा अप्रयुक्त उत्तरपुस्तकों तथा प्रश्नपत्रों का सम्पूर्ण हिसाब प्रस्तुत करेंगे / करेंगी
8. परीक्षा अधीक्षक प्रतिदिन प्रत्येक परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थियों की संख्या, अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या तथा परीक्षाओं से सम्बन्धित ऐसी सूचनाएं, जिन्हे वे आवश्यक समझते हों, भेजेंगे
9. केन्द्र अधीक्षक को यह सुनिश्चित करना होगा कि परीक्षाओं का संचालन पूर्णरूप (कठोरता) से स्थापित नियमों तथा कार्यविधि से संचालित तथा सम्पादित हो रहा है ।
10. कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा प्रारम्भ होने के आधे घण्टे तक किसी भी उद्देश्य के लिए परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ सकेगा । देर से आने वाला परीक्षार्थी परीक्षा प्रारम्भ होने के आधे घण्टे बाद परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जा सकेगा ।
11. परीक्षार्थी को जो अल्पकाल के लिये परीक्षा कक्ष से बाहर जाने के इच्छुक हों, अधिकतम पांच मिनट बाहर रहने की अनुमति प्रदान की जा सकेगी तथा ऐसी अनुपस्थिति प्रपत्र में अंकित की जायेगी
12. परीक्षा कक्ष में अनुचित साधन का प्रयोग करने अथवा अनुचित साधन का प्रयोग करने का प्रयत्न करने वाले परीक्षार्थी के विरुद्ध परीक्षा अधीक्षक कार्यवाही कर सकेगा ।
13. परीक्षा परिणामों के सारणियन के लिये कुलपति सारणियक अथवा सारणीयकों को नियुक्त करेंगे तथा परितुल्कों को नियुक्त करेंगे जो परीक्षा परिणाम तैयार करने में सारणियकों को अनुदेश तथा निदेश निर्गत करेंगे।
14. (a) प्रत्येक संकाय के लिये एक परीक्षा परिणाम समिति होगी जिसका गठन विद्यापरिषद द्वारा किया जायेगा।



(b) परिणाम समिति के निम्न कर्तव्य होंगे:

(i) इस बात से संतुष्ट होने पर कि विश्वविद्यालय द्वारा सम्पादित समस्त परीक्षाएँ तथा विभिन्न विषयों की

परीक्षाएँ सामान्य स्तर के अनुरूप हैं, परीक्षाओं के परिणामों की समीक्षा करना, परिणामों को पास करना तथा परीक्षा परिणाम के किसी प्रकार असन्तुलित होने पर कुलपति को आवश्यक कार्यवाही के लिये संस्तुति प्रदान करना ।

(ii) प्रश्नपत्रों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करना तथा आवश्यक कार्यवाही करना।

(iii) ऐसे छात्रों के मामलों का निपटारा करना जिन्होंने गलत प्रश्नपत्रों के उत्तर दिये हैं।

(iv) ऐसे समस्त अधिकारों का प्रयोग करना जो उसे विद्या परिषद द्वारा प्रत्यायोजित किये जाये।



Conduct of Examinations [Section- 30(e)]

1. All arrangements for the conduct of examinations, to be held by the University, shall be made by the Registrar in accordance with such directions as may be issued by the Board of Management in Consultation with the Academic Council.
2. The Registrar shall announce the last dates by which applications and fee for examinations shall be submitted by the intending examinees
3. The applications for examinations shall be scrutinized and roll numbers will be assigned to each examinee.
4. The Registrar shall prepare and publish a program for the conduct of examinations specifying the date of each examination.
5. Separate Centers of examination shall be created for the University Campus and Constituent Colleges / Institutes,
6. The Registrar shall appoint senior teachers as Superintendent and Assistant Superintendents for each Centre
7. The Superintendent of examination shall be personally responsible for the safe custody of question papers and the answer books sent to him/her and shall render the University office a complete account of used and unused answer books and question papers.
8. The Superintendent of Examination shall send a daily report on the number of examinees attending each of the examinations, number of absentees and such other informations relating to the examinations as may be considered necessary
9. Superintendent of examinations should ensure that the conduct of the examination is strictly according to the rules and procedure laid down.
10. No examinee shall leave the examination hall within half an hour of the start of the examination for any purpose what so ever and no late comer will be permitted for the examination after half an hour of its commencement.
11. Examinees desirous of leaving the examination hall temporarily shall be permitted to do so for a maximum period of 5 minutes and absence shall be recorded.
12. Superintendent of examination shall take action against an examinee, who is found using or attempting to use unfair means in the examination hall.
13. The Vice-chancellor shall appoint tabulators or a set of tabulators for tabulating the results of the examinations and collators, he/she may issue general instructions for guidance of tabulators in preparing results of examinations
14. (1) There will be a result committee for each faculty to be constituted by the Academic Council.



- (2) The functions of the Result Committee shall be as follows:
- (i) to scrutinize and pass the results of the examinations conducted by the University after satisfying itself that the results on the whole and in various subjects are in conformity with the usual standards and to recommend to the Vice-chancellor the action to be taken in any case where the result is unbalanced.
 - (ii) to scrutinize complaints against question papers and to take necessary action.
 - (iii) to decide cases of candidates, who answered wrong papers;
 - (iv) to exercise all other powers as the Academic Council may delegate to it from time to time.



UNIVERSITY OF PATANJLAI, HARIDWAR

PROPOSED RULES TO BE ADOPTED PREPARING RESULTS

1. PROVISIONS TO APPEAR IN THE EXAMINATION:

The existing provision to appear in the Examination is 75% attendance in the classes. However, the Vice-Chancellor can waive off 5% attendance. In case of -

- i) Demise in Blood Relation i.e. Grand parents, Parents, Husband, Wife, Son, Daughter, Brother, Sister or any other members falls in this Category.
- ii) In the event of Natural Calamities, if such a certificate is produced by the Student from an Appropriate Authority.
- iii) In case of Hospitalization of a student for such a period as decided by the University, Certificate from the authorized Medical Officer is necessary to be produced by the student.
- iv) In the case of self marriage/marriage in the blood relation, the period of leave exemption shall be decided by the University.
- v) In case of participation in Seminar, Conference, Workshop, Sports & Cultural Activities and also other activities as assigned by the University. The permission to this effect has to be produced in Advance by the Student's alongwith Invitation Letter. During their participation, the Teachers will mark the Attendance as under:

1. Seminar/Conference/Workshop: SCW
2. Sports & Cultural Activities: Sp.
3. University Activities UA

2. RULES FOR DECLARATION OF RESULT:

Presently the Pass percentage of different Courses is as under:

<u>Class</u>	<u>Pass %age</u>	<u>Aggregate Pass %age</u>
B.A.	36%	40%
M.A./M.Sc.	36% In each subject	40%
P.G. Diplomas	40%	50%

(The above criteria will remain the same for second and Third Year Students)

*

(on 02.02.2017 it was proposed in the meeting held under the chairmanship of the then Pro. V.C., V.C. and Chancellor that the above criteria will remain the same for second and third year students only)



**FURTHER THE PROPOSED PASS %AGE IN THE SAID MEETING WAS APPROVED TO BE
MADE EFFECTIVE FROM ACADEMIC SESSION : 2016-17.**

<u>Class</u>	<u>Pass %age</u>	<u>Aggregate Pass %age</u>
Certificate Course/		
Bridge Course in Skt.	40%	45%
P.G. Diplomas	40%	50%
B.A.	40%	50%
M.A./M.Sc.	40%	50%
M.Phil.	50%	55%} or as per UGC
Ph.D. course work	60%	} Guidelines.

- 2.1. The candidate will be declared "Reappear" in such paper/s in which he/she gets less than 25% marks in External Examination.
- 2.2. The 'Reappear' will be awarded at Under Graduate Level if a candidate fails in Three Papers of Two papers and he/she can seek admission in the next semester. In case of Post Graduate Level "Reappear" will be awarded to those candidate who will be fail in Two Subject and can seek admission in the next semester.
- 2.3. The candidate will be allowed Two Chances after the first Examination he appeared to clear the paper/s of 'Reappear' the candidates with Reappear in First & Second Semester will not be allowed to be promoted to Semester Four and candidates with "Reappear" in Semester Three and Four will not be promoted to Semester Six. After exhausting all the Chances the candidate will be declared "Fail", and seek admission afresh in First Semester.
- 2.4. If Vice-Chancellor feel the cases of "Reappear" have to be given one more Chance, he can do so under his discretionary powers as "Golden Chance".
- 2.5. Only 05 "Grace Marks" shall be awarded in the Final Semester in one paper/subject to declare the candidates result as "Pass" and those marks will be shown separately and will not be added in the Grand Total. No Grace Marks shall be given in the case/s of "Reappear".
- 2.6. The present practice of Granting 03 Grace marks to 'Reappear Candidates' will be effective only upto the Semester Examination held in December, 2016.

GUIDELINES TO DEAL UNFAIR MENS CASES

If any candidate is found copying during the Examination, the case of 'Unfair Means' will be maintained against the defaulter after recording candidate's written statement in an official format which will be verified by the Concerned Invigilator and forwarded to the Controller of Examination by the Centre Superintendent (Exams) alongwith the Answer Book and seized copying material, duly sealed, Further, the Second Copy, if issued, to the candidate will also be sealed alongwith First Copy. Such cases will be submitted by the Controller of Examination for decision to the Unfair Means Committee constituted by the Vice-Chancellor. The Committee shall decide after examining the case/s and giving due opportunity of personal hearing to the defaulting Candidate/s.



पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

परीक्षा सम्बन्धी प्रस्तावित नियमावली

- 1 स्नातक वर्ग में यदि कोई छात्र / छात्रा किन्ही तीन प्रश्न पत्रों में अनुत्तीर्ण होता है तो वह आगामी सत्र में प्रवेश के लिए योग्य है परन्तु तीन से अधिक प्रश्न पत्रों में अनुत्तीर्ण होने पर आगामी सत्र में प्रवेश के लिए अयोग्य है एवं वर्तमान सत्र में पुनः प्रवेश के लिए योग्य रहेगा।
- 2 परीक्षा पूर्व सम्पूर्ण शुल्क जमा करना आवश्यक है अन्यथा परीक्षार्थी को परीक्षा से वंचित किया जायेगा।
- 3 यदि परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा के अतिरिक्त दो बार अनुपूरक परीक्षा में सम्मिलित हो गया है तो उसे पुनः प्रवेश प्राप्त करना होगा।
- 4 किसी भी प्रकार से परीक्षा में अनुचित साधन का प्रयोग करने पर यथा नकल की पर्ची, मोबाईल अथवा अन्य साधन द्वारा करने पर छात्र / छात्रा को वर्तमान सत्र में अनुत्तीर्ण घोषित किया जायेगा। नकल की पर्ची के प्रयोग होने से पूर्व ही नकल पर्ची कक्ष निरीक्षक द्वारा पकड़े जाने पर उक्त परीक्षार्थी उस पेपर में अनुत्तीर्ण घोषित किया जायेगा।
- 5 दूसरी बार अनुचित साधन का प्रयोग करने पर उस छात्र / छात्रा को एक वर्ष के लिए विश्वविद्यालय से निष्कासित किया जायेगा।
- 6 छात्र / छात्रा द्वारा परस्पर उत्तर पुस्तिका बदलने पर दोनों छात्र / छात्रा को वर्तमान सत्र के लिए निष्कासित किया जायेगा।
- 7 परीक्षार्थी यदि परीक्षा समय में आपस में वार्तालाप करते हैं तो उन्हें कक्ष निरीक्षक द्वारा चेतावनी दी जायेगी अगर वह पुनः इस तरह की गतिविधि करते हैं तो ऐसे परीक्षार्थीयों को उस पेपर में अनुत्तीर्ण घोषित किया जायेगा।
- 8 परीक्षार्थी द्वारा दो बार अनुचित साधन प्रयोग करतें हुए पकड़े जाने पर परीक्षार्थी की अंक तालिका में नोट द्वारा उक्त तथ्य प्रकट किया जायेगा।
- 9 परीक्षा परिणाम परीक्षा समाप्ति की तिथि से तीस दिन के अंदर घोषित किया जायेगा।
- 10 परीक्षा प्रारम्भ होने के एक घंटे तक किसी भी परीक्षार्थी को कक्ष छोड़ने की स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी।
- 11 परीक्षा परिणाम समय से घोषित हो इसलिए केंद्रीय मुल्यांकन कराया जाये।
- 12 स्नातक वर्ग अधिकतम 5 वर्ष में, परास्नातक वर्ग 4 वर्ष एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा 2 वर्ष में पूर्ण करना अनिवार्य होगा।



PROPOSED RULES FOR EXAMINATION

1. If any student fails upto 3 papers in any semester of graduation. Then he/she may be continued to next semester. But if failed in more than 3 papers in any semester then he/she shall stand failed & have to repeat the semester.
2. Total due fees should be submitted before semester exams & if not, the student shall be debarred from the examination.
3. If student has already appeared twice in Reappear Examinations after main examination, then he/she has to get readmission.
4. If any unfair-means have been found with any students in any form of cheat, paper, mobile etc. before or after its use in examination, he/she shall be stated failed for the whole semester.
5. Student found indulged for the use of any unfairmeans for second time, he/she shall be rusticated for atleast one year from the university.
6. In case of exchange of answer sheets during examination both students should be rusticated for the current semester.
7. In case of discussions during examination, students must be instructed once by the invigilator, if found again then they should be stated as failed for the paper.
8. If any student has been found for the use of any unfairmeans twice in examination then a note should be provided in the concerned marksheet regarding the same.
9. Result shall be announced within 30 days after exams.
10. Any student will not be allowed to leave examination hall within 1st hour.
11. Central evaluation system should be followed for inttime results.
12. Any Graduation Course must be completed in 5 years, Post-graduation course in 4 years and Post-graduate diploma course in 2 years.



पतंजलि विश्वविद्यालय छात्र नियमावली (प्रबन्ध मण्डल द्वारा पारित)

सृष्टि के समस्त प्राणियों के कल्याण व उत्थान हेतु परमात्मा के विधान हैं। उनके द्वारा विभिन्न नियम व मर्यादाएं निश्चित की गई हैं जिन्हें वेदों में ऋत्-नियमों के रूप में भी जाना जाता है। अनुशासन से ही राष्ट्र का उत्थान सम्भव है। वेदोक्त जीवन हमें विधि-निषेध पूर्वक मर्यादित जीवन जीने की शिक्षा देता है। “बन्धन में ही सृजन है” अतएव नियमों एवं मर्यादाओं को बन्धन न मानकर अपने सृजन का आधार मानकर प्रसन्नतापूर्वक आत्मसात करना है। प्रस्तुत नियम विश्वविद्यालय में पंजीकृत सभी विद्यार्थियों के लिए आवश्यक रूप से पालनीय हैं अन्यथा यथोचित अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

1. प्रत्येक सत्र के प्रत्येक विषय में 75% उपस्थिति अनिवार्य है, प्रत्येक छात्र को सेमेस्टर की अन्तिम परीक्षा के योग्य होने के लिए, सेमेस्टर में आयोजित सभी व्यवहारिक अथवा आयोजित व्याख्यानों में कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक होगी। 75% उपस्थिति से कम होने पर परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।
2. यदि रैगिंग की कोई भी घटना विश्वविद्यालय के अधिकारी के संज्ञान में आती है तो नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जायेगी।
3. विश्वविद्यालय के छात्रावासों में रहने वाले छात्रों को परिसर में मोटर-चलित वाहनों को रखने व उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
4. सभी विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सभी शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों से सम्मानजनक व्यवहार करेंगे। ध्यातव्य रहे कि किसी भी स्थिति-परिस्थिति में किसी को भी वाणी व्यवहार से प्रताड़ित नहीं करना है। अमर्यादित शब्दों यथा- तू, तेरे को, मेरे को, अबे, तबे इत्यादि का प्रयोग निषेध है। किसी भी प्रकार के अवांछित/ अशोभनीय/ अमर्यादित कृत्य में संलिप्तता नहीं करनी है। विश्वविद्यालय परिसर या पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट से सम्बन्धित किसी भी इकाई के अन्दर व बाहर परस्पर किसी के ऊपर हाथ उठाना अक्षम्य अपराध है। ऐसी स्थितियों में सख्त दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।
5. छात्र एवं छात्राएं कक्षाओं, सभाओं एवं अन्य सामूहिक कार्यक्रमों में मर्यादित रूप से अलग-अलग बैठेंगे तथा कार्यक्रमों की समाप्ति पर छात्र पहले छात्राओं को जाने देंगे बाद में स्वयं जायेंगे। द्वार पर या अन्य स्थानों पर अनावश्यक रूप से एकत्रित न होंगे। मर्यादा का पालन करते हुए कोई भी छात्र/छात्रा समूह या युगल व्यर्थ ही भ्रमण न करें, न किसी स्थान पर बैठें, न ही अमर्यादित रूप से परस्पर हँसी-मजाक करें या कुचेष्टा करें, ऐसा करते हुए पाये जाने पर तथा कक्षाओं, सभाओं व दिनचर्या में विलम्ब से पहुँचने पर, दीर्घ अनुपस्थिति की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी।
6. विश्वविद्यालय परिसर अथवा पतंजलि योगपीठके किसी भी संस्थान में विद्यार्थियों के द्वारा जातिवाद, प्रान्तवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, वंशवाद एवं शारीरिक-संरचना, रंग-रूप व परिधान इत्यादि विषयों के आधार पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी, भेद-भाव तथा वाद-विवाद दण्डनीय अपराध माना जायेगा तथा ऐसी स्थिति में अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
7. विद्यार्थियों को विदित रहे कि अपने से बड़ों के साथ वार्तालाप करते समय अति विनम्रता और सहनशीलता का परिचय देते हुए सम्मानजनक शब्दों का प्रयोग करें जैसे-आप, जी, इत्यादि। उनकी बातों की अहवेलना व उपहास कदापि न करें।
8. किसी भी प्रकार के विषय को लेकर परिसर में/ छात्रावास में विद्यार्थियों के अध्ययन को बाधित कर उनको भड़काना, भ्रमित करना, हड़ताल आदि की चेष्टा करने पर दोषी छात्र/छात्रा को दण्डित किया जायेगा।



9. विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे सभी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से छात्रावास में अन्तेवासी के रूप में रहना है। सम्बन्धित छात्रावासों के प्रत्येक विद्यार्थी को छात्रावास से सम्बन्धित नियम व मर्यादाओं का पालन करना आवश्यक होगा।
10. सभी विद्यार्थियों को निर्धारित गणवेश व परिचय-पत्र के साथ में ही विश्वविद्यालय परिसर में रहना है।
11. सभी सादगीपूर्वक रहते हुए वस्त्र तथा केश विन्यास व सौन्दर्य प्रसाधन में मर्यादाओं का ध्यान रखेंगे। किसी भी अत्याधुनिक सौन्दर्य प्रसाधन का प्रयोग निषेध है।
12. शैक्षणिक गतिविधियों एवं परीक्षा सम्बन्धी क्रिया-कलापों में भ्रष्टता व गड़बड़ी पाये जाने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
13. विश्वविद्यालय या विश्वविद्यालय के किसी भी सदस्य की सम्पत्ति को क्षति पहुँचाये जाने पर अथवा विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्पत्ति का अनधिकृत प्रयोग या दुरुपयोग करते हुए पाये जाने पर दोषी विद्यार्थियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
14. संस्थागत उत्सव एवं ज्ञानवर्धक सत्र आदि में माननीय कुलाधिपति, मा0 कुलपति एवं मा0 प्रतिकुलपति अथवा अन्य अधिकारियों के निर्देशानुसार तथा जनजागरुकता के लिए विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किये जाने वाले स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरुकता अभियान, वृक्षारोपण अभियान, रक्तदान अभियान, राष्ट्रीय सेवा योजना आदि विभिन्न कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।
15. विद्यार्थियों को अपरिहार्य स्थिति में भी अधिकृत अधिकारी की अनुमति के बिना अवकाश अनुमन्य नहीं है। अध्ययन-सत्र अवधि में किसी भी प्रकार का अवकाश नहीं मिलेगा। अवकाश समाप्ति पर सुनिश्चित तिथि में ही उपस्थित होना अनिवार्य है।
16. विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वस्तु क्रय व सामानों के प्रयोग में स्वदेशी भावना की अनुपालना सुनिश्चित करें। सभी माननीय प्रधानमंत्री जी के 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' की सफलता हेतु स्वदेशी एवं 'लोकल' सामानों का ही प्रयोग कर उसे 'ग्लोबल' बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। पतंजलि विश्वविद्यालय परिसर में रहते समय उपलब्ध पतंजलि उत्पादों का ही यथासम्भव प्रयोग करना है।
17. विभिन्न क्षेत्रों यथा- खेल-कूद, योगासन, गायन-वादन, अनुसंधान, शास्त्र-स्मरण, साहित्य लेखन आदि में प्रतिभा सम्पन्न छात्र/छात्राओं को बढ़-चढ़ कर भाग लेना है। विश्वविद्यालय की ओर से प्रोत्साहित करने के लिए यथासम्भव पुरस्कृत भी किया जाता है।

नोट :-

1. सभी विद्यार्थी विश्वविद्यालय परिसर/ छात्रावास में लगे सूचनापट्ट (नोटिस बोर्ड) पर लगाई गयी सभी प्रकार की सूचनाओं से भी आवश्यक रूप से अवगत रहें।
2. किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता के पाये जाने पर नियमानुसार अर्थदण्ड, श्रमदण्ड, निलम्बन व निष्कासन इत्यादि दण्ड हो सकते हैं।
3. वर्ष में एक बार विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित 'अभिभावक गोष्ठी' में विद्यार्थियों के माता-पिता/ अभिभावकों की उपस्थिति अनिवार्य है ताकि वे विश्वविद्यालय संस्थान की प्रगति के बारे में तथा अपने पुत्र-पुत्रियों की गतिविधियों/उनकी अध्ययन सम्बन्धी प्रगति की जानकारी प्राप्त करें।



RULES & REGULATIONS FOR STUDENTS OF UNIVERSITY OF PATANJALI (APPROVED BY BOM)

OM-The supreme soul has set various rules and decorum to sustain the cosmos. These are known as “Rit Niyam” in Vedas. Vedas teach us to live moderate and disciplined life for physical, spiritual, social and economic advancements. Discipline is important for Nation's progress. Discipline induces creativity, hence it is mandatory to follow the given rules and regulations of the University by all enrolled students within and outside the University premises.

1. 75% attendance is mandatory in every subject offered in each semester. As every student is required to attend at least 75% of the lectures scheduled and practicals conducted, separately in each course, from the start of the classes of a semester, for being eligible to appear in the final examination of that semester such students will not be permitted for examination of the subject in the semester.
2. Ragging is banned in University. The University has adopted the UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009. If any incident of ragging comes to the notice of the University Authorities, action will be taken as per the rules.
3. The students residing in University hostels shall not be permitted to keep and use motorized vehicles in the campus.
4. All students are expected to behave respectfully with teaching as well as non-teaching staff. Remember that one should not ill treat and torture anyone by one's vulgar language, speech and behavior. Address by words like 'Tu', 'Tere ko', 'Mere ko', 'Abe', 'Tbe' etc. is uncalled for. None should be indulged in unwanted, uncultured and uncalled for acts. Any physical assault within and outside the campus of University of Patanjali and related institutions is unforgivable offence and liable for punishment.
5. Male and female students need to sit separately in classrooms, meetings and other programs. At the end of classes or programs, male students are expected to allow female students to come out first without creating random barriers and gathering on the gate and elsewhere. Moving around of male & female students together or sitting in a group and chatting vulgarly anywhere in the University Campus shall be treated unmannered and liable to disciplinary action.
6. It is a punishable offence to comment, discriminate and debate anyone in terms of caste, region, language, pedigree, physical structure, complexion and dress codes etc.
7. Students have to follow due etiquettes and speak culturally accepted words (Ji, Aap etc.) during conversations among peers and seniors. They should never underestimate and criticize seniors' talks/advice.



8. Planning/creating any sort of disturbance in studies, conflicts, disharmony, mistrusts, aggression, deviation from the study, persuasion for strikes etc. will be punishable. Such activities are strictly prohibited.
9. It is compulsory for the students of all the programmes of UoP to reside in the hostels. The rules and regulations of the respective hostels are to be followed by all the residents.
10. Dressing up in prescribed dress codes and possession of identity card while in the University Campus is compulsory otherwise will be liable for disciplinary action.
11. Students while living a life of simplicity will follow the modesty, accepted hair styles and use of simple cosmetics only. Use of ultra modern beauty products is forbidden.
12. Disciplinary action will be taken against any type of dishonesty and mess in teaching and examination related activities.
13. Students engaged in damage to the property of University or its member/s and unauthorized use/misuse of University assets will be liable for punishment.
14. Students have to ensure their 100% presence in institutional festivals; teaching and other programs like campaigns for cleanliness, awareness among voters, plantation, blood donation and NSS programs organized by the University as per instructions from (i) Hon'ble Pro Vice Chancellor/ (ii) Hon'ble Vice Chancellor/ (iii) Hon'ble Chancellor.
15. Even in urgent cases, student leave will not stand sanctioned without permission of the authorized officers. No leave will be granted during teaching days. Timely presence of the students after end of the vacation is mandatory.
16. All students of the University are expected to purchase and use indigenous consumer products. Students should contribute to Hon'ble Prime Minister's "Aatm Nirbhar Bharat Abhiyan"- a grand success by purchasing "Swadeshi Products". Preferably the students should use Patanjali FMCG products during their stay at the University.
17. Students to participate enthusiastically in games, yoga, singing (vocal and instrumental), research, Shastra smaran, literary writing etc. Off and on they will be honoured.

NOTE:

1. Students are advised to cultivate the regular habit of watching notice boards affixed in the University Campus/Hostels to get intermittent updates.
2. Any type of indiscipline will lead to punishment as fine, 'Shramdand', suspension and rustication etc.
3. Students' parents/guardians must attend parent meeting once in a year to be informed about their ward's behavioral, curricular and extracurricular progresses.

